खाद एवं उर्वरक

कृषि में खाद एवं उर्वरक का अत्यधिक महत्वपूर्ण स्थान है। जिस मिट्टी में पौधे लगाए जाते हैं, वह मिट्टी धीरे-धीरे अपनी उर्वरा शक्ति खो देती है। मिट्टी में मौजूद पोषक तत्व और खनिज पौधों द्वारा सोख लिए जाते हैं। इससे यह आवश्यक हो जाता है कि खाद एवं उर्वरक मिट्टी में मिलाकर उसकी उर्वरा शक्ति और गुणवत्ता को बढ़ाया जाए।

खाद

खाद का तात्पर्य जैविक एवं प्राकृतिक खाद से है। इसका प्रभाव पौधा पर धीमी गति से होता है। इसके प्रयोग के बाद तुरन्त सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती है। इनमें रूप से तत्वों को वहीं मिलाया जाता है, जिससे यह सस्ता भी होता है।

खाद के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी होती है। इसके उपयोग से फसल भी अच्छी होती है। खाद के प्रयोग से मिट्टी की शक्ति में वृद्धि हो जाती है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

जैविक खाद के प्रकार :-

* जैविक खाद के 5 प्रकार होते हैं -

(i) गोबर खाद

(ii) कम्पोस्ट खाद

(iii) हरी खाद

(iv) खल्ली खाद

(i) **गोबर खाद :-** यह पशुओं के गोबर से तैयार की जाती है। गोबर को किसी स्थान में एक गड्ढे में संकलित करके छोड़ दिया जाती है। इसे मिट्टी से ढक दिया जाता है, जिससे इसके पोषक तत्वों की मात्रा तथा पोषक गुण बरकरार रहे।

(ii) **कम्पोस्ट खाद :-** इसे बनाने की विधि को वर्मीकल्चर कहते हैं। इसमें सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका केंचुआ होती है। ये पोषक तत्वों को खा लेते हैं और उसके बाद जो कुछ भी उनके शरीर से मल के रूप में बाहर आता है, वह हमें खाद के रूप में प्राप्त होता है।

Scanned with CamScanner

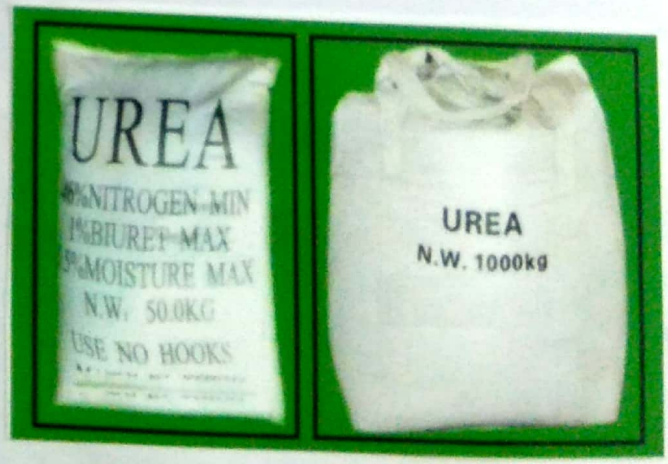

Scanned with CamScanner

(iii) **हरी खाद :-** कुछ विशेष पौधों की हरी पत्तियों को मिट्टी में दबाकर सड़ने दिया जाता है, जिससे हरी खाद तैयार होती है। इसका उपयोग किचन गार्डन में करते हैं।

(iv) **खल्ली खाद :-** खल्ली एवं मलमूत्र की खाद या सरसों आदि के सड़े पौधों की पत्तियां आदि को गड्ढे में जमा कर के खाद बनाई जाती है। इसके प्रयोग से पौधों को आवश्यक तत्व मिलता है।

उर्वरक

उर्वरक रासायनिक एवं कृत्रिम खाद होते हैं। उर्वरक का प्रभाव पौधों पर शीघ्रता से होने लगता है। इसके प्रयोग के बाद या पहले सिंचाई अधिक आवश्यक होता है।

इसके अधिक प्रयोग से पौधों तथा फसलों को हानि भी होती है। उर्वरक का निर्माण बड़े-बड़े कारखानों में ही संभव होता है। इस कारण ये जैविक खाद की तुलना में महंगे होते हैं।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

उर्वरक के प्रकार :-

उर्वरक के मुख्यत: 6 प्रकार हैं, जो निम्नलिखित हैं -

(i) सोडियम
(ii) अमोनियम सल्फेट एवं यूरिया
(iii) सल्फर फास्फेट
(iv) पोटैशियम क्लोराइड
(v) मिश्रित अमोनियम सल्फेट एवं पोटैशियम नाइट्रेट
(vi) NPR , DAP इत्यादि

Scanned with CamScanner